Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2025 E-Journal, Volume I, Issue XLIX, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

मध्य प्रदेश में उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन : उज्जैन एवं रतलाम जिले का तुलनात्मक अध्ययन

पूजा झाला* डॉ. एल. एन. शर्मा **

*शोधार्थी (वाणिज्य) विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) भारत
** शोध निर्देशक (वाणिज्य) विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – यह शोध-पत्र मध्य प्रदेश के उज्जैन एवं रतलाम जिलों में उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में सरकारी योजनाओं, विशेषकर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। दोनों जिलों में लाभार्थियों की सामाजिक, लिंग आधारित एवं आर्थिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ बैंक द्वारा स्वीकृत एवं वितरित राशि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। परिणाम बताते हैं कि उज्जैन जिले ने रतलाम जिले की तुलना में अधिक लाभार्थियों, विशेष रूप से सामान्य वर्ग और महिलाओं को योजनाओं का लाभ पहुँचाया है। साथ ही, बैंकिंग सहयोग एवं सरकारी प्रचार-प्रसार की प्रभावशीलता भी उज्जैन जिले में अपेक्षाकृत अधिक पाई गई।
शब्द कुंजी – उद्यमिता विकास, रोजगार सृजन, नवाचार, आर्थिक संरचना, सामाजिक वर्गीकरण।

प्रस्तावना – भारत के आर्थिक विकास में उद्यमिता (Entrepreneurship) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह केवल रोजगार सृजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में आत्मनिर्भरता, नवाचार, तकनीकी प्रगति और संसाधनों के प्रभावी उपयोग को भी प्रोत्साहित करती है। आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में उद्यमिता को आर्थिक विकास की रीढ़ कहा जा सकता है क्योंकि यह नई संभावनाओं को जन्म देती है, स्थानीय स्तर पर उत्पादन को बढ़ाती है और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में योगदान देती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की विविधता और विशालता को देखते हुए, विभिन्न राज्यों में उद्यमिता विकास की रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं। विशेषकर मध्य प्रदेश जैसे राज्य में, जहाँ कृषि-प्रधान समाज के साथ-साथ औद्योगिक विकास की भी अपार संभावनाएँ मौजूद हैं, वहाँ उद्यमिता विकास की आवश्यकता और भी अधिक हो जाती है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं की रोजगार संबंधी चुनौतियाँ इस ओर संकेत करती हैं कि यदि उद्यमिता को प्रभावी ढंग से प्रोत्साहित किया जाए, तो यह राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती है।

मध्य प्रदेश सरकार ने समय-समय पर युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के विभिन्न वर्गों को उद्यमिता की ओर आकर्षित करने और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कई योजनाएँ प्रारंभ की हैं। इनमें प्रमुख योजनाएँ हैं:

- **मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना –** जिसके अंतर्गत युवाओं को व्यवसायध्उद्योग प्रारंभ करने हेतु वित्तीय सहायता एवं बैंक ऋण की सुविधा दी जाती है।
- **मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना –** यह योजना छोटे उद्यमों और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई है।
- **मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना –** इसका उद्देश्य किसानों को कृषि आधारित उद्योगों और व्यापार से जोड़कर उन्हें अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराना है।

इन योजनाओं का सीधा प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सकारात्मक प्रभाव समाज एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। इससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होते हैं, उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने में मदद मिलती है।

इस शोध-पत्र का केंद्र बिंदु उज्जैन एवं रतलाम जिले हैं। दोनों जिले मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र माने जाते हैं, परंतु उनकी आर्थिक संरचना, जनसंख्या का स्वरूप और संसाधनों की उपलब्धता में अंतर है। इसलिए यह तुलनात्मक अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि एक ही राज्य की योजनाएँ अलग-अलग जिलों में किस प्रकार लागू हो रही हैं और उनका प्रभाव किन बिंदुओं पर भिन्न है।

इस अध्ययन में विशेष ध्यान निम्न पहलुओं पर दिया गया है:

1. लाभार्थियों की संख्या का तुलनात्मक विश्लेषण
2. लिंग आधारित भागीदारी (महिला एवं पुरुष उद्यमी)
3. सामाजिक वर्गीय वितरण (सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति)
4. बैंक द्वारा स्वीकृत एवं वितरित राशि का आकलन

इन सभी पहलुओं का तुलनात्मक अध्ययन करके यह समझने का प्रयास किया गया है कि उज्जैन और रतलाम जिलों में उद्यमिता विकास की वास्तविक स्थिति क्या है, योजनाओं का कितना प्रभाव रहा है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

साहित्य समीक्षा

1. Sharma & Sharma (2021) ने अपने अध्ययन में पाया कि मध्य प्रदेश की रोजगार-आधारित योजनाएँ ग्रामीण एवं शहरी ढोनों क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहन देती हैं। हालांकि, प्रचार-प्रसार की कमी और बैंकिंग प्रक्रियाओं की जटिलता योजनाओं की सफलता में बाधक हैं।
2. Mishra (2022) के अनुसार, युवाओं का झुकाव स्टार्ट-अप्स की ओर बढ़ा है, किंतु पूँजी की कमी, प्रशिक्षण की अनुपलब्धता और सामाजिक जोखिम की धारणा, उद्यमिता के विकास को प्रभावित करती है।

अध्ययन का उद्देश्य:

1. उज्जैन एवं रतलाम जिले में सरकारी योजनाओं के तहत उद्यमिता विकास की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
2. उद्यमिता के विकास का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

समंक विश्लेषण एवं विवेचना – प्रस्तुत शोध-पत्र में उपरोक्त योजनाओं का उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य एक तुलनात्मक अध्ययन किया गया है, जो की निम्नानुसार है :

1. मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
2. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
3. मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका क्रं. 1 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)
आरेख क्रं. 1 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

सर्वेक्षित तालिका क्रं. 1 के आधार पर उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का विभिन्न वर्गों (सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति) के आधार पर, वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक, तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित बिन्दु प्राप्त हुए हैं-

1.1 उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य सामान्य वर्ग के हितग्राहीयों की तुलना करने पर:

1. वर्ष 2014-15 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 17 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में वर्ष 2014-15 के आंकड़ों की उपलब्धता के अनुसार 2 हितग्राहियों कि संख्या ज्ञात की जा सकी है। अत: उक्त वर्ष में उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 15 हितग्राही अधिक हैं।
2. वर्ष 2015-16 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 26 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 10 हितग्राही हैद्य अत: उक्त वर्ष में जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 16 हितग्राही अधिक हैं।
3. वर्ष 2016-17 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 32 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 7 हितग्राही हैद्य अत: उक्त वर्ष में जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 25 हितग्राही अधिक हैं।
4. वर्ष 2017-18 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 34 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 4 हितग्राही है हैद्य अत: उक्त वर्ष में जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 30 हितग्राही अधिक हैं।
5. वर्ष 2018-19 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 21 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 2 हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 19 हितग्राही अधिक हैं।

वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में उज्जैन जिले में कुल 130 तथा वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में रतलाम जिले में कुल 25 सामान्य वर्ग के हितग्राही हुए हैं।

अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 105 युवाओं ने अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के कुल 155 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 83.87 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 16.13 प्रतिशत युवा उद्यमी हैं। इस प्रकार उज्जैन जिले में 67.74 प्रतिशत हितग्राही अधिक हैं।

तालिका क्रं. 2 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)
आरेख क्रं. 2 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

सर्वेक्षित तालिका क्रं. 2 के आधार पर उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का विभिन्न वर्गों (सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति) के आधार पर, वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक, तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित बिन्दु प्राप्त हुए हैं-

2.1 उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य सामान्य वर्ग के हितग्राहियों की तुलना करने पर:

1. वर्ष 2014-15 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 300 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में वर्ष 2014-15 के आंकड़ों की उपलब्धता के अनुसार 166 हितग्राहियों कि संख्या ज्ञात की जा सकी है। अत: उक्त वर्ष में उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 134 हितग्राही अधिक हैं।
2. वर्ष 2015-16 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 355 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 319 हितग्राही हैद्य अत: उक्त वर्ष में जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 36 हितग्राही अधिक हैं।
3. वर्ष 2016-17 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 392 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 361 हितग्राही हैद्य अत: उक्त वर्ष में जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 31 हितग्राही अधिक हैं।
4. वर्ष 2017-18 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 474 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 387 हितग्राही है हैद्य अत: उक्त वर्ष में जिले के मध्य हितग्राहियों की तुलना में उज्जैन जिले में 87 हितग्राही अधिक हैं।
5. वर्ष 2018-19 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के 327 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के 154 हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 173 हितग्राही अधिक हैं।

वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में उज्जैन जिले में कुल 1848 तथा वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में रतलाम जिले में कुल 1387 सामान्य वर्ग के हितग्राही हुए हैं। अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में सामान्य

वर्ग के 461 युवाओं ने अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के कुल 3235 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 57.13 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 42.87 प्रतिशत युवा उद्यमी हैं। इस प्रकार उज्जैन जिले में 14.26 प्रतिशत हितग्राही अधिक हैं।

उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2018-19

तालिका क्रं. 3 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

आरेख क्रं. 3 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

सर्वेक्षित तालिका क्रं. 3 के आधार पर उज्जैन और रतलाम जिले के मध्य मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का विभिन्न वर्गों (सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति) के आधार पर, वर्ष 2018-19 का, तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित बिन्दु ज्ञात हुए है-

1. वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में सामान्य वर्ग के कुल 04 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के कुल 09 हितग्राही हुए है। अतः यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि उज्जैन जिले की तुलना में रतलाम जिले में 05 हितग्राही अधिक है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के कुल 13 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 30.77 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 69.23 प्रतिशत हितग्राही है। इस प्रकार रतलाम जिले में 38.46 प्रतिशत हितग्राही अधिक है।
2. वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में पिछड़ा वर्ग के कुल 05 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में सामान्य वर्ग के कुल 03 हितग्राही हुए है। अतः यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 02 हितग्राही अधिक है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में पिछड़ा वर्ग के कुल 08 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 62.5 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 37.5 प्रतिशत हितग्राही है। इस प्रकार उज्जैन जिले में 25 प्रतिशत हितग्राही अधिक है।
3. वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में अनुसूचित जाति के कुल 03 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में अनुसूचित जाति के कुल 00 हितग्राही हुए है। अतः यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 03 हितग्राही अधिक है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में अनुसूचित जाति के कुल 03 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 100 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में शून्य प्रतिशत हितग्राही है। इस प्रकार उज्जैन जिले में 100 प्रतिशत हितग्राही अधिक है।
4. वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में अनुसूचित जनजाति के कुल 04 हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में अनुसूचित जनजाति के कुल 00 हितग्राही हुए है। अतः यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 04 हितग्राही अधिक है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में अनुसूचित जनजाति के कुल 04 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 100 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में शून्य प्रतिशत हितग्राही है। इस प्रकार उज्जैन जिले में 100 प्रतिशत हितग्राही अधिक है।
5. वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में कुल 16 एवं रतलाम जिले में कुल 12 हितग्राही हुए है। अतः यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 04 हितग्राहियों ने अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में कुल 28 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 57.14 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 42.86 प्रतिशत हितग्राही कृषक उद्यमी है। इस प्रकार उज्जैन जिले में 14.28 प्रतिशत हितग्राही अधिक है।

शोध परिकल्पना :

1. H_0: उद्यमिता विकास में शासकीय योजनाओं की बड़ी भूमिका है।
   H_1: उद्यमिता विकास में शासकीय योजनाओं की बड़ी भूमिका नहीं है।

भविष्य में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्तियों का विश्लेषण

तालिका क्र. 4 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका से स्पष्ट है की F value = 3.564 (Sig.138) है जो और 0.05 स्मअमस और df= 11 पर सार्थक नहीं है। अतः यह स्पष्ट है की उद्यमिता विकास में शासकीय योजनाओं की कोई सार्थक भूमिका नहीं है। अतः उपकल्पना H_1 अस्वीकार होती है।

मुख्य निष्कर्ष:

1. उज्जैन जिले में योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों की संख्या रतलाम जिले से कहीं अधिक रही।
2. महिलाओं की भागीदारी दोनों जिलों में संतोषजनक रही, परंतु उज्जैन में प्रतिशत अधिक पाया गया।
3. शिक्षा के आधार पर अधिकांश लाभार्थी स्नातक और स्नातकोत्तार थे, जिससे पता चलता है कि शिक्षित युवा उद्यमिता की ओर आकर्षित हो रहे हैं।
4. दोनों जिलों में उद्यमिता विकास से न केवल लाभार्थियों को बल्कि अन्य व्यक्तियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।
5. उज्जैन और रतलाम दोनों जिलों के अधिकांश लाभार्थियों ने भविष्य में पुनः शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की इच्छा व्यक्त की है। विशेष रूप से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के प्रति उच्च रुचि देखी गई।

सांख्यिकीय परीक्षण का परिणाम:

ANOVA विश्लेषण में प्राप्त F value = 3.564 तथा Sig. = 0.138 (P> 0.05) होने से यह स्पष्ट है कि दोनों जिलों के लाभार्थियों के बीच योजनाओं को अपनाने की प्रवृत्ति में कोई सार्थक सांख्यिकीय अंतर नहीं पाया गया।

शोध परिकल्पना का परीक्षण – चूँकि प्राप्त परिणाम 0.05 के स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है, अतः यह परिकल्पना कि 'उद्यमिता विकास में शासकीय योजनाओं की बड़ी भूमिका है' सार्थक रूप से प्रमाणित नहीं होती। इसलिए वैकल्पिक उपकल्पना (H_1) को अस्वीकार किया गया।

निष्कर्ष – अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन में सरकारी योजनाएँ अत्यंत प्रभावी रही हैं। उज्जैन जिले ने रतलाम की तुलना में अधिक प्रगति की है, जो प्रशासनिक सहयोग, जागरूकता और लाभार्थियों की भागीदारी के कारण संभव हुआ। रतलाम जिले में सुधार की गुंजाइश है, विशेषकर महिला उद्यमियों और पिछड़े वर्गों की भागीदारी बढ़ाने में।

समग्र रूप से कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश की रोजगार-आधारित योजनाएँ उद्यमिता विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और यदि प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहयोग और बेहतर हो तो यह राज्य की आर्थिक प्रगति और रोजगार सृजन में और अधिक योगदान दे सकती हैं।

सुझाव :

1. योजनाओं के प्रचार-प्रसार को और प्रभावी बनाया जाए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
2. प्रशिक्षण और मार्गदर्शन कार्यक्रमों को अनिवार्य किया जाए ताकि उद्यमियों की सफलता दर बढ़ सके।
3. महिलाओं एवं पिछड़े वर्गों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रोत्साहन योजनाएँ बनाई जाएँ।
4. बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध किया जाए ताकि लाभार्थियों को शीघ्र ऋण व अनुदान मिल सके।
5. योजनाओं की मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत बनाया जाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. शर्मा, आर. एवं वर्मा, एस. (2021)'मध्य प्रदेश में उद्यमिता विकास और रोजगार मूलक योजनाओं का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' भोपाल: शोध प्रकाशन।
2. मिश्रा, पी. (2022)'भारतीय युवाओं में स्टार्ट-अप संस्कृति और उद्यमिता की संभावनाएँ' दिल्ली: राष्ट्रीय आर्थिक शोध संस्थान।
3. मध्य प्रदेश शासन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग। (2019). मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना: दिशा-निर्देश एवं प्रगति रिपोर्ट. भोपालरू शासन प्रकाशन।
4. जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, उज्जैन एवं रतलाम। (2015-2019). वार्षिक प्रतिवेदन एवं योजनाओं से संबंधित आँकड़े.
5. भारतीय रिजर्व बैंक। (2020)'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए ऋण प्रवाह की स्थिति' मुंबई: आरबीआई प्रकाशन।
6. अग्रवाल, एम. (2020)'भारत में महिला उद्यमिता और सरकारी योजनाओं की भूमिका' जयपुर: साहित्य अकादमी।

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जर्नल्स:

1. Journal of Indian Accounting Association- ISSN 0972&1479 (National)
2. Madhya Pradesh journal of Social Sciences- ISSN 0973&855X (National)
3. Pacific Business Review- ISSN 0974&438X (International)

वेबसाईट्स:

1. en.m.wikipdia.org>wiki>Neemuch-
2. https//book.google.co.in
3. https://mandsaur.nic.in

तालिका क्रं. 1: उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

उज्जैन जिला							रतलाम जिला						
क्रं	वर्ष	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल हितग्राही	क्रं	वर्ष	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल हितग्राही
1	2014-15	17	10	3	1	31	1	2014-15	2	6	4	1	13
2	2015-16	26	12	6	2	46	2	2015-16	10	9	5	10	34
3	2016-17	32	14	4	2	52	3	2016-17	7	11	3	11	32
4	2017-18	34	16	4	2	56	4	2017-18	4	10	10	8	32
5	2018-19	21	11	6	2	40	5	2018-19	2	3	9	12	26
	कुल	130	63	23	9	225		कुल	25	39	31	42	137

आरेख क्रं. 1 : उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

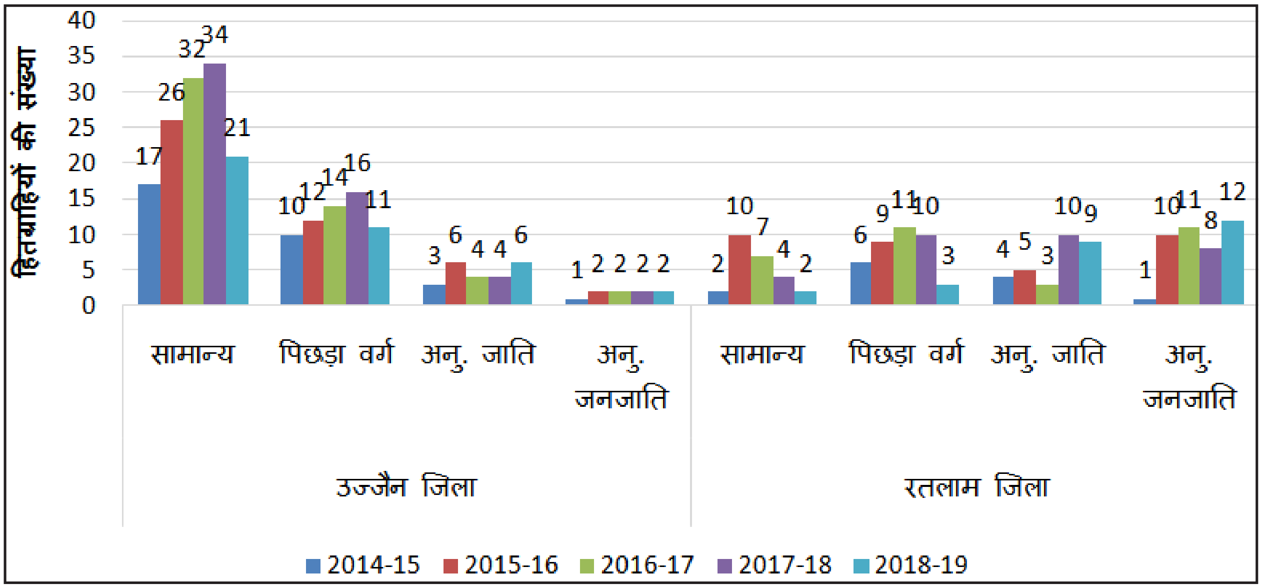

तालिका क्रं.2 : उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2014-15 से 2018-19

उज्जैन जिला							रतलाम जिला						
क्रं	वर्ष	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल हितग्राही	क्रं	वर्ष	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल हितग्राही
1	2014-15	300	137	78	33	548	1	2014-15	166	136	66	34	402
2	2015-16	355	167	115	49	686	2	2015-16	319	145	87	29	580
3	2016-17	392	225	90	33	740	3	2016-17	361	120	60	61	602
4	2017-18	474	227	126	78	905	4	2017-18	387	188	93	70	738
5	2018-19	327	201	103	37	668	5	2018-19	154	87	70	44	355
	कुल	1848	957	512	230	3547		कुल	1387	676	376	238	2677

आरेख क्रं.2: उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का वर्गों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2014-15 से 2018-19

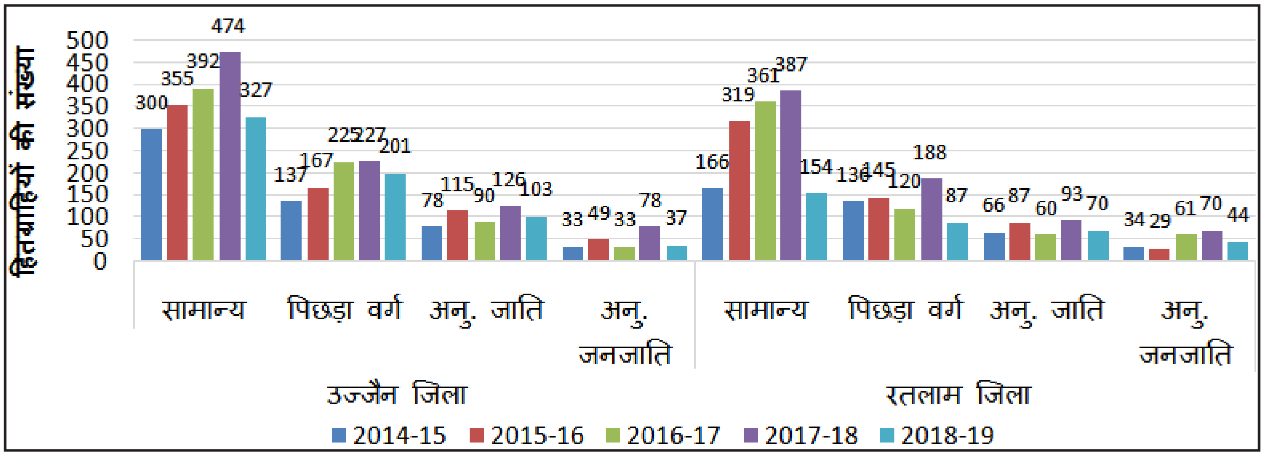

तालिका क्रं. 3

उज्जैन जिला							रतलाम जिला						
क्रं	वर्ष	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल हितग्राही	क्रं	वर्ष	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल हितग्राही
1	2018-19	4	5	3	4	16	1	2018-19	9	3	0	0	12
	कुल	4	5	3	4	16		कुल	9	3	0	0	12

स्रोत:- जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, उज्जैन एवं रतलाम

आरेख क्रं. 3 : उज्जैन एवं रतलाम जिले में वर्गों का अध्ययन वर्ष 2018-19

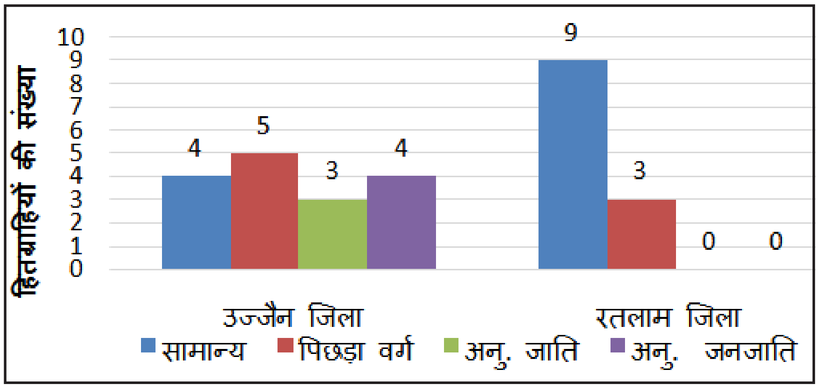

तालिका क्रमांक: 4:

योजनाओं के नाम	**भविष्य में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक**	**उज्जैन जिला**		**रतलाम जिला**	
		आवृत्ति	**प्रतिशत**	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना	हाँ	33	66	37	74
	नहीं	17	34	13	26
मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना	हाँ	32	64	36	74
	नहीं	18	36	14	26
मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना	हाँ	9	50	8	57.14
	नहीं	9	50	6	42.86

स्त्रोत : – व्यक्तिगत सर्वेक्षण के आधार पर

Descriptive

Frequency		**N**	**Mean**	**Std. Devia-tion**	**Std. Error**	**95% Confidence Interval for Mean**		**Minimum**	**Maximum**	**Between Component Variance**
						Lower Bound	**Upper Bound**			
Yes		6	23.2	12.21	4.235	10.84	37.62	8	37	
No		6	14.52	5.305	2.065	7.65	20.26	6	18	
Total		12	18.68	10.224	3.246	11.26	26.88	8	37	
Model	Fixed Effects			11.134	3.1	14.26	26.53			
	Random Effects				5.213	-32.82	84.34			36.894

ANOVA

Frequency	**Sum of Squares**	**df**	**Mean Square**	**F**	**Sig.**
Between Groups	313.456	1	313.456	3.564	0.138
Within Groups	1203.4	10	120.34		
Total	1516.856	11			

****